

SKPF-Wincompete Test Series 2026

Test 12 -राजस्थान भूगोल (भौतिक)

[ANSWER KEY SECTION]

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
1	C	11	B
2	B	12	D
3	A	13	B
4	B	14	A
5	D	15	A
6	B	16	B
7	B	17	A
8	A	18	B
9	B	19	B
10	D	20	B

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
21	C	31	B
22	C	32	D
23	A	33	C
24	B	34	A
25	D	35	B
26	B	36	B
27	B	37	A
28	A	38	B
29	C	39	D
30	A	40	C

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
41	C	51	B
42	C	52	D
43	A	53	B
44	B	54	A
45	D	55	A
46	A	56	B
47	B	57	A
48	A	58	B
49	B	59	D
50	C	60	B

wincomplete

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
61	A	71	B
62	B	72	D
63	A	73	B
64	B	74	A
65	C	75	C
66	B	76	B
67	B	77	A
68	A	78	B
69	B	79	D
70	A	80	B

wincompete

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
81	A	91	B
82	B	92	D
83	A	93	B
84	B	94	A
85	D	95	A
86	B	96	B
87	A	97	A
88	A	98	B
89	B	99	D
90	A	100	A

wincomplete

SKPF-Wincompete Test Series 2026

Test 12 -राजस्थान भूगोल (भौतिक)

[DETAILED EXPLANATIONS]

प्रश्न 1: राजस्थान के पश्चिमी रेतीले मैदान (मरुस्थलीय प्रदेश) की भू-वैज्ञानिक उत्पत्ति, विस्तार एवं वर्गीकरण के संदर्भ में

सही उत्तर: C

व्याख्या: कथन I और III पूरी तरह सही हैं। थार मरुस्थल वास्तव में टेथिस सागर का अवशेष है, जहाँ आकल गाँव (जैसलमेर) में जुरैसिक काल के काष्ठ जीवाश्म मिले हैं। बालुका स्तूप मुक्त प्रदेश (लगभग 41.5%) जैसलमेर, बाड़मेर व बीकानेर में तरशरी व जुरैसिक काल की अवसादी चूना पत्थर चट्टानों से घिरा है। कथन II गलत है क्योंकि 25 सेमी. की समवर्षा रेखा मरुस्थल को दो भागों (शुष्क एवं अर्ध-शुष्क) में बाँटती है, जबकि 50 सेमी. समवर्षा रेखा मरुस्थल को अरावली से अलग करती है।

प्रश्न 2: राजस्थान के थार मरुस्थल में पाए जाने वाले बालुका स्तूपों के आकृतिक वर्गीकरण एवं दिशात्मक विशेषताओं के संबंध में

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन A और R दोनों तथ्यात्मक रूप से सही हैं, लेकिन कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं प्रस्तुत करता है क्योंकि दोनों अलग-अलग स्तूपों की विशेषताओं को दर्शाते हैं। बरखान पवन के समकोण पर बनते हैं और इनकी चंचलता के कारण ये कृषि भूमि को नुकसान पहुँचाते हैं। वहीं अनुदैर्घ्य (रेखीय) स्तूप पवन की दिशा के समानांतर विकसित होते हैं। पश्चिमी राजस्थान में पवन की गति और रेत की आपूर्ति स्तूपों के विविध रूपों का मुख्य आधार बनती है।

प्रश्न 3: अरावली पर्वतीय प्रदेश के भू-वैज्ञानिक इतिहास एवं उसकी सामरिक व जलविभाजक भूमिका के संबंध में

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवल निष्कर्ष I सही है। ए.एम. हेरोन ने 1923 में अरावली का पहला विस्तृत भू-वैज्ञानिक अध्ययन किया था। यह दिल्ली से लेकर पालनपुर (गुजरात) तक 692 किमी (राजस्थान में 550 किमी) में विस्तृत है। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि अरावली राजस्थान के कुल भू-भाग का लगभग 9% (11% नहीं) क्षेत्र घेरती है तथा यहाँ राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 10% (20% नहीं) भाग निवास करता है। यह पर्वतमाला अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी के अपवाह तंत्र के बीच जलविभाजक है।

प्रश्न 4: अरावली की प्रमुख चोटियों, दर्रों (नाल) एवं उनसे संबंधित जिलों का सही मिलान

सही उत्तर: B

व्याख्या: सुराघाट और शिवपुर घाट अजमेर (मध्य अरावली) में स्थित दर्रें हैं। देसूरी की नाल और सोमेश्वर दर्रा पाली जिले में स्थित हैं, जो मेवाड़ को मारवाड़ से जोड़ते हैं। हाथी दर्रा (हाथीगाल) उदयपुर जिले में स्थित है जो राष्ट्रीय राजमार्ग को मार्ग देता है। कामलीघाट और गोरमघाट राजसमंद जिले में स्थित दर्रें हैं। अरावली के दर्रें

ऐतिहासिक काल से ही व्यापारिक परिवहन एवं सैन्य अभियानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक गलियारे रहे हैं।

प्रश्न 5: राजस्थान के भौतिक प्रदेशों एवं उनकी पर्वत चोटियों के संबंध में

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन D असंगत (गलत) है। डोरा पर्वत (869 मी.) मध्य अरावली का नहीं, बल्कि जालौर जिले में स्थित जसवंतपुरा की पहाड़ियों (दक्षिणी-पश्चिमी राजस्थान) का सर्वोच्च शिखर है। गुरुशिखर सिरौही में 1722 मीटर (कर्नल टॉड द्वारा 'संतों का शिखर') ऊंचाई के साथ सर्वोच्च है। मध्य अरावली की सबसे ऊंची चोटी ताड़गढ़/मोरमजी (934 मी.) एवं तारागढ़ (870 मी.) अजमेर में हैं। उत्तरी अरावली का उच्चतम बिंदु रघुनाथगढ़ (सीकर) 1055 मीटर ऊंचा है।

प्रश्न 6: चंबल बेसिन की उत्खात स्थलाकृति का मुख्य कारण

सही उत्तर: B

व्याख्या: चंबल नदी का प्रवाह क्षेत्र अत्यधिक अवनलिका अपरदन (Gully Erosion) से ग्रस्त है। मानसूनी वर्षा के दौरान नदी का तीव्र जलप्रवाह कोमल कांप मिट्टी को गहराई तक काट देता है, जिससे गहरे खड्ड, कंदराएं और 'बीहड़' (Badland) का निर्माण होता है। कोटा, धौलपुर, सवाई माधोपुर और करौली जिले इससे सर्वाधिक प्रभावित हैं। यह उत्खात भूमि कृषि और परिवहन के लिए अनुपयुक्त है तथा स्थानीय पारिस्थितिकी एवं सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को व्यापक रूप से प्रभावित करती है।

प्रश्न 7: पूर्वी मैदानी प्रदेश के अंतर्गत 'छप्पन का मैदान' किन दो जिलों के मध्य स्थित है?

सही उत्तर: B

व्याख्या: छप्पन का मैदान दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ जिलों के मध्य स्थित है। यह माही नदी का प्रवाह क्षेत्र है, जहाँ 56 गांवों का समूह या 56 नदी-नालों का प्रवाह बेसिन होने के कारण इसे 'छप्पन का मैदान' कहा जाता है। यह क्षेत्र अत्यधिक उपजाऊ लाल-लोमी मिट्टी से निर्मित है तथा गहन मक्का व चावल कृषि के लिए जाना जाता है। बांसवाड़ा को इसी जल बहुलता के कारण 'सौ द्वीपों का शहर' भी कहते हैं।

प्रश्न 8: पूर्वी मैदानी प्रदेश के नदी बेसिनों एवं उनकी विशेषताओं के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन I और II सही हैं। बनास बेसिन का दक्षिणी भाग मेवाड़ का मैदान (उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़) तथा उत्तरी समतल भाग मालपुरा-करौली का मैदान कहलाता है। बाणगंगा नदी को रुंडित सरिता (Rundit River) कहा जाता है क्योंकि यह मुख्य नदी (यमुना) में मिलने से पहले ही मैदानी भाग में समाप्त हो जाती है। कथन III गलत है क्योंकि बनास बेसिन में स्थित अवशिष्ट चट्टानी टीलों को 'पीडमोंट का मैदान' कहते हैं; 'भाकर' तो सिरौही की तीव्र ढाल वाली पहाड़ियों को कहते हैं।

प्रश्न 9: दक्षिणी-पूर्वी पठारी प्रदेश (हाड़ौती का पठार) की भू-वैज्ञानिक विशेषताओं के संदर्भ में

सही उत्तर: B

व्याख्या: दोनों कथन (A) और (R) सत्य हैं, लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है क्योंकि A पठार के लावा निर्माण को बताता है और R विंध्यन कगार की अवसादी संरचना को। हाड़ौती का पठार

क्रीटेशियस काल में दरारी ज्वालामुखी उद्गार से निकले बसाल्ट लावे के जमने से बना है, जिससे काली मध्यम मिट्टी का निर्माण हुआ। विंध्यन कगार बलुआ पत्थरों एवं शेल चट्टानों से निर्मित है जो दक्षिण-पूर्व में स्पष्ट कगार (Escarpment) बनाती है।

प्रश्न 10: हाड़ौती के पठार के गौण भू-आकृतिक प्रदेशों एवं उनके क्षेत्रीय विस्तार के आधार पर

सही उत्तर: D

व्याख्या: दोनों निष्कर्ष I और II गलत हैं। घोड़े की नाल (Horseshoe) के आकार वाली रामगढ़ पहाड़ी कोटा में नहीं, बल्कि बारां जिले के रामगढ़ गाँव के पास स्थित है (जिसे भारत का पहला भू-विरासत स्थल भी घोषित किया गया है)। निष्कर्ष II इसलिए गलत है क्योंकि मुकुंदरा पहाड़ियों का ढाल उत्तर से दक्षिण नहीं, बल्कि दक्षिण से उत्तर की ओर है, जिसके कारण चंबल और उसकी सहायक नदियाँ उत्तर दिशा की ओर प्रवाहित होती हैं।

प्रश्न 11: राजस्थान के विभिन्न पठारों एवं उनसे संबंधित अवस्थिति (जिलों) की सूचियों का सुमेलित रूप

सही उत्तर: B

व्याख्या: उड़िया का पठार सिरोही जिले में माउंट आबू पर स्थित है और 1360 मीटर की ऊँचाई के साथ राजस्थान का सर्वोच्च पठार है। मेसा का पठार (620 मी.) चित्तौड़गढ़ में स्थित है जिस पर ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ दुर्ग बना हुआ है। लसाड़िया का पठार जयसमंद झील के पूर्व में सलंबर/उदयपुर जिले में कटा-फटा व विच्छेदित पठार है। ऊपरमाल का पठार भीलवाड़ा (बिजोलिया) से चित्तौड़गढ़ (भैंसरोड़गढ़) के बीच फैला पथरीला पठारी भू-भाग है।

प्रश्न 12: स्थानीय भू-आकृतिक शब्दावली एवं उनके भौगोलिक अर्थों के संबंध में

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन D असंगत है। जालौर में स्थित गुंबदाकार ग्रेनाइट पहाड़ियों को 'इसराना भाकर' या स्थानीय रूप से जालौर ग्रेनाइट ब्लॉक कहा जाता है, जबकि 'मेवल' डुंगरपुर और बांसवाड़ा के मध्य स्थित पर्वतीय व कटी-फटी भूमि को कहा जाता है। पूर्वी सिरोही की कटी-फटी पहाड़ियाँ 'भाकर', उदयपुर की तश्तरीनुमा पहाड़ियाँ 'गिरवा', तथा प्रतापगढ़ के निकट माही का तटीय क्षेत्र 'कांठल' कहलाता है। ये सभी शब्दावलियाँ आरएएस परीक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

प्रश्न 13: पश्चिमी राजस्थान के मरुस्थल में खनिज तेल एवं गैस मिलने का मुख्य भू-वैज्ञानिक कारण

सही उत्तर: B

व्याख्या: पश्चिमी राजस्थान का मरुस्थल भू-वैज्ञानिक इतिहास में लंबे समय तक समुद्री अतिक्रमण (Marine Transgression) के अधीन रहा है। मेसोजोइक और टरशरी महाकल्पों के दौरान यहाँ तटीय एवं समुद्री अवसाद जमा हुए। इन अवसादी चट्टानों (Sedimentary Rocks) में जैविक मलबे, सूक्ष्म जीवों तथा वनस्पतियों के दबने और उच्च ताप-दाब के कारण हाइड्रोकार्बन का निर्माण हुआ। इसी कारण बाड़मेर-सांचौर तथा जैसलमेर बेसिन में मंगला, भाग्यम, ऐश्वर्या जैसे कूड ऑयल एवं प्राकृतिक गैस क्षेत्र पाए जाते हैं।

प्रश्न 14: अरावली पर्वतमाला के स्थानीय नामों और भू-आकृतिक शब्दावली के संबंध में

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन A पूर्णतः सत्य है; जसवंतपुरा पहाड़ियों (जालौर) का सबसे ऊंचा शिखर डोरा पर्वत (869 मी.) है। कथन B गलत है क्योंकि बाड़मेर की 56 गोलाकार पहाड़ियों को 'छप्पन की पहाड़ियां' या नाकोड़ा पर्वत कहते हैं (गिरवा उदयपुर में है)। कथन C गलत है क्योंकि डूंगरपुर-बांसवाड़ा का क्षेत्र 'वागड़' या 'मेवल' कहलाता है (ऊपरमाल भीलवाड़ा-चित्तौड़गढ़ में है)। कथन D गलत है क्योंकि अजमेर की नाग पहाड़ी व तारागढ़ मध्य अरावली में आते हैं (कांठल प्रतापगढ़ में है)।

प्रश्न 15: राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश के संबंध में

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन I और II सही हैं। थार मरुस्थल का लगभग 62% भाग राजस्थान में है जो भारत के कुल मरुस्थल का ~85% है। मरुस्थल में पाई जाने वाली जल-अगम्य अवसादी परतों पर वर्षा जल एकत्र होने से बनी अस्थाई खारी झीलों को 'रन' या 'टाट' कहते हैं (उदा. पोकरण, बाप, थोब)। कथन III गलत है क्योंकि 'सीफ' (Seif) अनुप्रस्थ का नहीं, बल्कि अनुदैर्घ्य (पवनानुवर्ती) बालुका स्तूप का ही एक प्रकार है, जो हवा की दिशा में आंशिक परिवर्तन से निर्मित होता है।

प्रश्न 16: राजस्थान के भौगोलिक प्रदेशों के क्षेत्रफल एवं जनसंख्या के अनुपात के संबंध में

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है क्योंकि केवल कृषि और जल ही नहीं, बल्कि समतल भू-भाग और अनुकूल परिवहन वातावरण भी जनघनत्व को प्रभावित करता है। पूर्वी मैदानी प्रदेश राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का केवल 23.3% भाग है, परंतु यहाँ राज्य की लगभग 39% जनसंख्या निवास करती है। नदियों द्वारा लाई गई उपजाऊ जलोढ़ (कॉप) मिट्टी के कारण यह राज्य का सबसे सघन बसाव वाला भौतिक अंचल है।

प्रश्न 17: अरावली पर्वतमाला के दक्षिणी भाग के दर्रों (नाल) के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवल निष्कर्ष I सही है। देसूरी की नाल, जीणवा नाल और सोमेश्वर दर्रा पाली जिले में स्थित हैं, जो मेवाड़ (राजसमंद/उदयपुर) को मारवाड़ (पाली) से जोड़ते हैं। निष्कर्ष II पूरी तरह गलत है क्योंकि अरावली के दर्रों का अत्यंत उच्च सामरिक व ऐतिहासिक महत्व रहा है; उदाहरण स्वरूप हल्दीघाटी दर्रा और देवेर की नाल मेवाड़ के राजाओं के लिए मुगलों के विरुद्ध प्राकृतिक सुरक्षा दुर्ग और छापामार युद्ध के प्रमुख केंद्र रहे हैं।

प्रश्न 18: राजस्थान के पठारों और उनकी ऊंचाइयों/विशेषताओं के सही जोड़े का चयन

सही उत्तर: B

व्याख्या: उड़िया का पठार (1360 मी.) सिरोही में स्थित राज्य का सर्वोच्च पठार है। आबू का पठार (1200 मी.) राज्य का दूसरा सबसे ऊंचा पठार है जिस पर आबू शहर बसा है। भोरट का पठार कुंभलगढ़ (राजसमंद) और गोगुंदा (उदयपुर) के मध्य स्थित एक जलविभाजक पठार है। मेसा का पठार (620 मी.) चित्तौड़गढ़ में गंभीरी और बेड़च नदियों के संगम के पास स्थित है, जिस पर चित्तौड़गढ़ का किला स्थित है।

प्रश्न 19: राजस्थान के भौतिक प्रदेशों एवं उनकी प्रशासनिक अवस्थिति के संबंध में

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन B असंगत (गलत) है। '56 का मैदान' जालौर और सिरोही में नहीं, बल्कि दक्षिण में प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा जिलों के बीच माही नदी के प्रवाह क्षेत्र में स्थित है। महान सीमा भ्रंश (Great Boundary Fault) अरावली और विंध्याचल के मिलन स्थल पर चित्तौड़गढ़, बूंदी और सवाई माधोपुर में विस्तृत एक प्रमुख भू-वैज्ञानिक भ्रंश है। मालपुरा-करौली का मैदान बनास बेसिन का उप-विभाग है और बीजासन पहाड़ भीलवाड़ा में अवस्थित है।

प्रश्न 20: दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में स्थित 'विंध्यन कगार भूमि' क्षेत्र किन दो नदियों के बीच एक स्पष्ट विभाजन रेखा प्रस्तुत करता है?

सही उत्तर: B

व्याख्या: विंध्यन कगार भूमि (Vindhyan Scarpland) दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में चंबल और उसकी प्रमुख सहायक नदी बनास के प्रवाह क्षेत्रों के बीच एक स्पष्ट भू-आकृतिक सीमा व जलविभाजक बनाती है। यह क्षेत्र मुख्य रूप से बलुआ पत्थरों (Sandstones) से निर्मित है, जो धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर और बूंदी तक कगारों (Cliffs) के रूप में फैला हुआ है। इसकी औसत ऊंचाई 350 से 550 मीटर के बीच है और यह विंध्यन सुपरग्रुप का हिस्सा है।

[DETAILED EXPLANATIONS SECTION]

प्रश्न 21: राजस्थान में मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया, इसके कारणों और 'मार्च ऑफ डेजर्ट' की परिघटना के संबंध में

सही उत्तर: C

व्याख्या: कथन I और III पूरी तरह सत्य हैं। मरुस्थल के आगे बढ़ने को 'मार्च ऑफ डेजर्ट' कहा जाता है, जिसका मुख्य कारण प्राकृतिक व मानवीय कारक हैं। काजरी (CAZRI) की स्थापना 1959 में जोधपुर में मरुस्थलीकरण रोकने हेतु अनुसंधान के लिए हुई थी। कथन II असत्य है क्योंकि ISRO के एटलस के अनुसार राजस्थान का लगभग 62.90% (न कि 67%) भू-भाग मरुस्थलीकरण और भूमि अवनयन से प्रभावित है।

प्रश्न 22: अरावली पर्वतीय क्षेत्र में हो रहे मृदा क्षरण एवं पारिस्थितिकी संवेदनशीलता के संबंध में

सही उत्तर: C

व्याख्या: कथन (A) सही है क्योंकि अरावली में अवक्रमण और 12 से अधिक गैप्स (दरों के चौड़ा होने) के कारण रेत पूर्व की ओर फैल रही है। कारण (R) गलत है; यद्यपि अरावली की औसत ऊंचाई 930 मीटर है, किंतु यह एक 'अविच्छिन्न' दीवार नहीं है बल्कि अत्यधिक अपरदित, विच्छेदित और कटी-फटी है, जिसके कारण यह मरुस्थल के प्रसार को पूर्णतः रोकने में सक्षम नहीं हो पा रही है।

प्रश्न 23: मरुस्थलीकरण और पारिस्थितिकीय क्षरण को रोकने के लिए संचालित राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रमों के संबंध में

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवल निष्कर्ष I सत्य है। मरु विकास कार्यक्रम (DDP) 1977-78 में शुरू हुआ था, जिसमें वर्तमान में केंद्र व राज्य का अंशदान 75:25 है। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (DPAP) वर्ष 1974-75 में शुरू तो हुआ था, परंतु यह राजस्थान के सभी 33 पारंपारिक जिलों में नहीं, बल्कि केवल चयनित 11 जिलों के 32 विकास खंडों में ही लागू किया गया था।

प्रश्न 24: मरुस्थलीकरण नियंत्रण एवं अनुसंधान से जुड़ी संस्थाओं/परियोजनाओं और उनके मुख्यालय/प्रारंभ वर्ष का सही मिलान

सही उत्तर: B

व्याख्या: काजरी (CAZRI) की स्थापना 1959 में जोधपुर में हुई थी। एफरी (AFRI - शुष्क वन अनुसंधान संस्थान) की स्थापना जोधपुर में 1988 में की गई। मरुस्थल वृक्षारोपण एवं मृदा संरक्षण केंद्र की स्थापना 1952 में हुई जिसे बाद में काजरी में बदला गया। 'ऑपरेशन खेजड़ा' कार्यक्रम वर्ष 1991 में मरुस्थलीय पारिस्थितिकी संरक्षण एवं खेजड़ी वृक्ष को बचाने हेतु शुरू किया गया था।

प्रश्न 25: अरावली पर्वतीय क्षेत्र में सतत प्रादेशिक विकास और भू-क्षरण की चुनौतियों के संदर्भ में

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन D असंगत (गलत) है। अरावली विकास कार्यक्रम वर्ष 1989-90 (न कि 1974-75) में शुरू किया गया था और यह राज्य के केवल 16 जिलों के 120 जनजातीय व पर्वतीय खंडों में चलाया गया था। अरावली वृक्षारोपण परियोजना 1992 से 2000 के मध्य ओईसीएफ (जापान) के सहयोग से 10 जिलों में चलाई गई थी जिससे 1.15 लाख हेक्टेयर क्षेत्र आच्छादित हुआ।

प्रश्न 26: राजस्थान में दक्षिण-पश्चिमी मानसून की अरब सागरीय शाखा से पर्याप्त वर्षा न होने का प्राथमिक भौगोलिक कारण

सही उत्तर: B

व्याख्या: राजस्थान में अरावली पर्वतमाला की दिशा दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर है। जब अरब सागर से उठने वाला मानसून राजस्थान में प्रवेश करता है, तो अरावली पर्वत श्रेणी इन पवनों की दिशा के बिल्कुल समानांतर (Parallel) स्थित होती है। किसी प्रकार का भौगोलिक अवरोध (Barrier) न मिलने के कारण मानसूनी हवाएं बिना संघनित होकर वर्षा किए अरावली के साथ-साथ उत्तर में हिमालय की ओर सीधी निकल जाती हैं।

प्रश्न 27: राजस्थान में ग्रीष्मकाल के दौरान चलने वाली स्थानीय ग्रीष्मकालीन हवाओं और धूलभरी आंधियों के संदर्भ में 'भभूल्या' क्या है?

सही उत्तर: B

व्याख्या: ग्रीष्मकाल में अत्यधिक तापीय भिन्नता के कारण जब किसी स्थान पर अचानक अत्यंत निम्न वायुदाब का केंद्र बन जाता है, तो चारों ओर की वायु चक्राकार रूप में तेजी से उस केंद्र की ओर घूमती हुई ऊपर उठती है। इस अल्पकालिक स्थानीय वायु-भंवर या चक्रवात को राजस्थान में स्थानीय भाषा में 'भभूल्या' (Dust Devil) कहा जाता है। यह मुख्यतः जैसलमेर, बीकानेर और बाड़मेर क्षेत्रों में दिखाई देता है।

प्रश्न 28: राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारकों के संबंध में

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन I और II सत्य हैं। कर्क रेखा बांसवाड़ा के मध्य (कुशलगढ़) और झुंजारपुर के दक्षिणी सीमा से गुजरती है। कथन III असत्य है क्योंकि समुद्र से दूरी (महाद्वीपीयता) और बलुई मिट्टी के कारण राजस्थान में दैनिक तापांतर (विशेषकर जैसलमेर में) और वार्षिक तापांतर बहुत अधिक (न कि कम) अंकित किया जाता है, जो जलवायु की शुष्कता को दर्शाता है।

प्रश्न 29: राजस्थान के तापमान, वायुदाब एवं पवन दिशाओं के ऋतु चक्र विश्लेषणात्मक संदर्भ में

सही उत्तर: C

व्याख्या: कथन (A) सही है; ग्रीष्मकाल में अत्यधिक तापमान के कारण उत्तर-पश्चिमी राजस्थान (जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर) में न्यून वायुदाब (Low Pressure) बनता है। कारण (R) गलत है क्योंकि रेत गर्म होने से हवा गर्म होकर ऊपर उठती है जिससे वहाँ 'निम्न वायुदाब' बनता है, न कि 'उच्च वायुदाब'। वायुदाब कम होने के कारण ही हिंद महासागर से मानसूनी हवाएं इस निम्न दाब केंद्र की ओर खिंची चली आती हैं।

प्रश्न 30: राजस्थान में ग्रीष्मकालीन वायुमंडलीय घटनाओं 'लू' और 'धूलभरी आंधियों' के प्रभाव के आधार पर

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवल निष्कर्ष I सही है। श्रीगंगानगर में ग्रीष्मकाल में औसतन 27 दिन तक धूलभरी आंधियां चलती हैं, जो राज्य में सर्वाधिक है (झालावाड़ में सबसे कम 3 दिन)। निष्कर्ष II पूरी तरह असत्य है क्योंकि 'लू' अत्यंत शुष्क, गर्म एवं कष्टदायक हवाएं होती हैं जो तापमान को 45° - 48° C तक बढ़ा देती हैं, न कि हिमांक बिंदु से नीचे ले जाती हैं।

प्रश्न 31: राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा के औसत वार्षिक वितरण एवं संबंधित विशेषताओं की सूची का सही मिलान

सही उत्तर: B

व्याख्या: अति-आर्द्र प्रदेश (झालावाड़, बांसवाड़ा) में 90 सेमी. से अधिक वर्षा होती है। शुष्क प्रदेश (जैसलमेर, बाड़मेर) में 20 सेमी. से कम वार्षिक वर्षा होती है। उप-आर्द्र प्रदेश (अरावली क्षेत्र, जयपुर) में 50 से 70 सेमी. वर्षा दर्ज की जाती है। अर्ध-शुष्क प्रदेश (लौणी व शेखावाटी) में 20 से 40 सेमी. औसत वर्षा होती है।

प्रश्न 32: राजस्थान में वर्षा के वितरण प्रतिरूप और दक्षिण-पश्चिमी मानसून के संबंध में

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन D असंगत (गलत) है। राजस्थान में सबसे कम औसत वार्षिक वर्षा वाला जिला जैसलमेर (लगभग 10-15 सेमी.) है, न कि चूरू। चूरू जिला अपनी अत्यधिक तापीय विषमता (सर्वाधिक गर्म व ठंडा) के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थान में मानसून की बंगाल की खाड़ी शाखा ही लगभग 90% वर्षा का स्रोत बनती है, जबकि अरब सागर शाखा मुख्यतः दक्षिणी भागों में ही वर्षा करती है।

प्रश्न 33: 'मावट' की वर्षा मुख्य रूप से किस फसल के लिए 'गोल्डन DROP' मानी जाती है?

सही उत्तर: C

व्याख्या: भूमध्यसागरीय पश्चिमी विक्षोभों से शीतकाल (जनवरी-फरवरी) में होने वाली चक्रवातीय वर्षा को राजस्थान में 'मावट' कहा जाता है। यह वर्षा रबी की फसलों, विशेष रूप से गेहूं, चना, सरसों और जौ के लिए अमृत तुल्य होती है। इसी कारण इसे कृषि वैज्ञानिक व कृषक 'गोल्डन ड्रॉप्स' (स्वर्ण बूंदें) कहते हैं। यह राजस्थान के उत्तरी व उत्तर-पश्चिमी जिलों में अधिक प्रभावी होती है।

प्रश्न 34: राजस्थान में मानसून के आगमन, विवर्तन और वर्षा की अनिश्चितता के संबंध में

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन A सत्य है; राजस्थान में दक्षिण-पश्चिम मानसून का सामान्य प्रवेश समय 25 जून माना जाता है जो बांसवाड़ा-झुंजरपुर के रास्ते प्रवेश करता है। कथन B असत्य है क्योंकि मानसून का विवर्तन (रिट्रीट) मध्य सितंबर से अक्टूबर में होता है। कथन C गलत है क्योंकि वर्षा की परिवर्तनशीलता जैसलमेर में सबसे अधिक होती है। कथन D गलत है क्योंकि अरब सागर शाखा राजस्थान में पहले प्रवेश करती है।

प्रश्न 35: राजस्थान की वर्षा विषमता एवं सूखा-अकाल की स्थिति के संबंध में

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन II और III सत्य हैं। अरावली बंगाल की खाड़ी मानसून के लिए अवरोध बनकर पश्चिमी भाग को वृष्टि-छाया क्षेत्र बना देती है। वर्षा की अनिश्चितता से 'अन्न, जल और चारा' का संकट (त्रिकाल) बनता है। कथन I गलत है क्योंकि वर्षा की परिवर्तनशीलता (Variability) उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर घटती है (बढ़ती नहीं), अर्थात् दक्षिण-पूर्व में वर्षा अधिक निश्चित होती है।

प्रश्न 36: राजस्थान के जलवायु वर्गीकरण और वर्षा के क्षेत्रीय प्रतिरूप के संदर्भ में

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु R, A की पूर्ण व्याख्या नहीं प्रस्तुत करता है क्योंकि झालावाड़ में सर्वाधिक वर्षा का कारण केवल दो मानसून शाखाएं नहीं बल्कि बंगाल की खाड़ी शाखा के मार्ग में पठारी व पहाड़ियों का सीधा अवरोध होना भी है। झालावाड़ में औसतन 40 दिन वर्षा होती है और यहाँ वार्षिक वर्षा 100 सेमी. तक पहुंच जाती है।

प्रश्न 37: शीतकालीन वर्षा 'मावट' और उसकी उत्पत्ति के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवल निष्कर्ष I सही है। मावट की उत्पत्ति भूमध्य सागर और कैस्पियन सागर में उठने वाले शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवातों से होती है जिन्हें पश्चिमी जेट स्ट्रीम भारत लाती है। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि मावट मुख्य रूप से उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी राजस्थान (गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर) में प्रभाव डालती है और रबी कृषि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रश्न 38: राजस्थान के जलवायु प्रदेशों और कोपेन के जलवायु वर्गीकरण संकेतों का सही मिलान

सही उत्तर: B

व्याख्या: वी. कोपेन के वर्गीकरण के अनुसार: BW_{hw} - शुष्क उष्णकटिबंधीय मरुस्थल (जैसलमेर, बीकानेर), BS_{hw} - अर्ध-शुष्क/स्टेपीडिश प्रदेश (जालौर, नागौर, बाड़मेर), C_{wg} - उप-आर्द्र/शुष्क शीत ऋतु वाला प्रदेश (राजस्थान का मैदानी व अरावली क्षेत्र), A_w - उष्णकटिबंधीय आर्द्र प्रदेश (झालावाड़, बांसवाड़ा, झुंजरपुर)।

प्रश्न 39: राजस्थान के विभिन्न जलवायु घटकों एवं उनसे जुड़ी घटनाओं के संबंध में कौन सा कथन असंगत है?

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन D असंगत (गलत) है। राजस्थान में कुल वार्षिक वर्षा का लगभग 90% भाग ग्रीष्मकालीन दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून से सितंबर) से प्राप्त होता है, जबकि शीतकालीन वर्षा ('मावट') से केवल 5% से

10% वर्षा ही प्राप्त होती है। अतः यह कथन कि 90% वर्षा शीतकाल में होती है, पूर्णतः तथ्यात्मक रूप से गलत है।

प्रश्न 40: राजस्थान में किस महीने में वायुदाब का स्तर सबसे कम (लगभग 997 मिलीबार) दर्ज किया जाता है?

सही उत्तर: C

व्याख्या: जून माह में सूर्य कर्क रेखा (23.5°N) पर लंबवत चमकता है, जिससे राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थलीय भाग में अत्यधिक तापमान उत्पन्न होता है। इसके परिणामस्वरूप वायु हल्की होकर ऊपर उठ जाती है और जून माह में राज्य में वायुदाब का स्तर गिरकर सबसे कम (लगभग 997 मिलीबार) दर्ज किया जाता है। इसके विपरीत जनवरी माह में वायुदाब सर्वाधिक (लगभग 1018 मिलीबार) होता है।

[DETAILED EXPLANATIONS SECTION]

प्रश्न 41: राजस्थान के पारंपरिक जलवायु प्रदेशों के स्थानिक विश्लेषण एवं उनकी भौतिक विशेषताओं के संदर्भ में

सही उत्तर: C

व्याख्या: कथन I और III सत्य हैं। शुष्क प्रदेश में वर्षा 0-20 सेमी. होती है और अति-आर्द्र प्रदेश (हाड़ौती व बांसवाड़ा) में 90 सेमी. से अधिक वर्षा दर्ज की जाती है। कथन II असत्य है क्योंकि उप-आर्द्र प्रदेश में प्राकृतिक वनस्पति के रूप में स्टेपी नहीं, बल्कि सघन पर्णपाती (Deciduous) तथा आंशिक उपोष्ण कटिबंधीय वनस्पति पाई जाती है; स्टेपी वनस्पति अर्ध-शुष्क (BSHW) जलवायु प्रदेश की विशेषता है।

प्रश्न 42: जलवायु वैज्ञानिकों द्वारा राजस्थान के जलवायु प्रदेशों के किए गए वर्गीकरण के संबंध में

सही उत्तर: C

व्याख्या: कथन (A) सत्य है; थॉर्नथ्वेट ने दक्षिण-पूर्वी राजस्थान (झालावाड़, बांसवाड़ा) को CA'w (उष्णकटिबंधीय आर्द्र-शुष्क) प्रदेश में माना है। कारण (R) असत्य है क्योंकि थॉर्नथ्वेट ने अपने वर्गीकरण का मुख्य आधार केवल तापमान और वर्षा को नहीं, बल्कि संभावित वाष्पोत्सर्जन (Potential Evapotranspiration), वर्षा प्रभावशीलता (Rainfall Effectiveness) तथा तापीय दक्षता को बनाया था। अतः कथन सही तथा कारण गलत है।

प्रश्न 43: राजस्थान में सूखा, अकाल (त्रिकाल) एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवल निष्कर्ष I सत्य है। राजस्थान में जब अन्न (खाद्यान्न), जल (पेयजल) और तिनके (पशुचारे) तीनों का एक साथ भीषण अभाव हो जाता है, तो उस स्थिति को 'त्रिकाल' कहा जाता है। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि SDRF या अकाल राहत तंत्र का गठन वर्ष 1974 में नहीं हुआ था; राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष/बल की स्थापना बाद के वर्षों में आपदा प्रबंधन हेतु की गई थी।

प्रश्न 44: राजस्थान की जलवायु के वैज्ञानिक वर्गीकरण प्रणालियों (कोपेन, थॉर्नथ्वेट, ट्रिवाथा) तथा उनके सांकेतिक कोडों का सही मिलान

सही उत्तर: B

व्याख्या: कोपेन के अनुसार BW_{hw} शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश (जैसलमेर, बीकानेर) को दर्शाता है। थॉर्नथ्वेट का EA'd अत्यंत शुष्क थार मरुस्थल को निरूपित करता है। ट्रीवार्था का BSh अर्ध-शुष्क मरुस्थलीय एवं स्टेपी तुल्य प्रदेश को दर्शाता है। कोपेन का Aw अति-आर्द्र दक्षिणी एवं दक्षिणी-पूर्वी भाग (झालावाड़, बांसवाड़ा) को निरूपित करता है। ये सभी वैज्ञानिक संकेत परीक्षाओं में अक्सर पूछे जाते हैं।

प्रश्न 45: राजस्थान के अपवाह तंत्र, भू-वैज्ञानिक विकास एवं जल विभाजक रेखा के संबंध में

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन D असंगत (गलत) है। अरावली के पूर्वी ढालों से निकलने वाली नदियाँ (जैसे बनास, चंबल की सहायक नदियाँ) अपना जल अरब सागर में नहीं गिरातीं, बल्कि वे यमुना के माध्यम से बंगाल की खाड़ी अपवाह तंत्र का हिस्सा बनती हैं। अरावली के पश्चिमी ढाल की नदियाँ (जैसे लूनी, पश्चिमी बनास) अरब सागर की ओर प्रवाहित होती हैं। अरावली भारत की महान जलविभाजक रेखा का कार्य करती है।

प्रश्न 46: घग्गर नदी के प्रवाह क्षेत्र के संबंध में प्रामाणिक निष्कर्ष

सही उत्तर: A

व्याख्या: घग्गर नदी का तल/प्रवाह क्षेत्र राजस्थान के हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिलों में 'नाली' या 'पाट' कहलाता है। यहाँ उपजाऊ कांप मिट्टी पाई जाती है जहाँ गेहूँ एवं चावल की खेती की जाती है। घग्गर एक मौसमी (आंतरिक प्रवाह) नदी है, न कि वर्ष भर बहने वाली नित्यवाही नदी। चंबल नदी राजस्थान की एकमात्र नित्यवाही नदी है। घग्गर नदी का जल बाढ़ के समय पाकिस्तान के फोर्ट अब्बास तक पहुँच जाता है।

प्रश्न 47: सीकर जिले की खंडेला पहाड़ियों से उद्गमित होने वाली कांतली नदी के प्रवाह क्षेत्र का स्थानीय नाम

सही उत्तर: B

व्याख्या: कांतली नदी सीकर जिले की खंडेला पहाड़ियों से निकलकर झुंझुनू जिले को दो भागों में बांटती हुई चूरू की सीमा के पास समाप्त हो जाती है। इसके अपवाह क्षेत्र (सीकर व झुंझुनू) को स्थानीय भाषा में 'तोरावाटी' (Torawati) कहा जाता है। इस नदी के तट पर सीकर में प्रसिद्ध ताम्रयुगीन सभ्यता 'गणेश्वर' तथा झुंझुनू में 'सुनारी सभ्यता' का विकास हुआ था।

प्रश्न 48: राजस्थान की आंतरिक अपवाह तंत्र की नदियों एवं उनके उद्गम स्थलों के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन I और II सत्य हैं। साबी नदी जयपुर की सेवर पहाड़ियों से निकलकर हरियाणा के गुड़गांव क्षेत्र में विलुप्त होती है। काकनेय (मसूरदी) नदी जैसलमेर के कोठारी गाँव से निकलकर बुझ झील बनाती है। कथन III गलत है क्योंकि मेंथा नदी अजमेर की नाग पहाड़ियों से नहीं, बल्कि जयपुर जिले के मनोहरपुर (शाहपुरा) से निकलती है और सांभर झील में गिरती है (डीडवाना में नहीं)।

प्रश्न 49: सांभर झील में अपना जल प्रवाहित करने वाली आंतरिक अपवाह की नदियों के संबंध में

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन (A) और (R) दोनों तथ्यात्मक रूप से सही हैं। सांभर झील भारत की सबसे बड़ी अंतःस्थलीय खारे पानी की झील है। मेंथा, रूपनगढ़, खारी, खंडेल तथा बांडी नदियाँ इसमें अपना जल गिराती हैं। हालाँकि,

कारण (R) यह व्याख्या नहीं करता कि यह भारत की सबसे बड़ी झील क्यों है (उसका मुख्य कारण भू-वैज्ञानिक बेसिन संरचना एवं वाष्पीकरण है)। अतः A और R दोनों सही हैं लेकिन व्याख्या सही नहीं है।

प्रश्न 50: राजस्थान की नदियों एवं उन पर स्थित प्रसिद्ध 'त्रिवेणी संगमों' के संबंध में

सही उत्तर: C

व्याख्या: दोनों निष्कर्ष I और II सत्य हैं। बेणेश्वर (डूंगरपुर) में माही, सोम और जाखम नदियों का संगम होता है, जहाँ आदिवासियों का प्रसिद्ध कुंभ लगता है। बीगोद (भीलवाड़ा) के पास बनास, बेड़च और मेनाल नदियाँ मिलकर त्रिवेणी संगम बनाती हैं। राजस्थान में अन्य त्रिवेणी संगमों में सवाई माधोपुर का रामेश्वरम (चंबल, बनास, सीप) तथा राजसमंद का राजमहल (बनास, डाई, खारी) शामिल हैं।

प्रश्न 51: आंतरिक अपवाह की नदियों एवं उनसे संबंधित जिलों/विशेषताओं की सूचियों का सही मिलान

सही उत्तर: B

व्याख्या: कांतली नदी सीकर व झुंझुनू में प्रवाहित होती है जहाँ गणेश्वर सभ्यता विकसित हुई। रूपारेल (वराह) नदी अलवर की थानागाजी पहाड़ियों से निकलकर भरतपुर के कुशलपुर में समाप्त होती है। काकनेय (मसूरदी) नदी जैसलमेर के कोटड़ी/कोठारी गाँव से निकलती है। साबी नदी जयपुर से निकलकर कोटपूतली-बहरोड़ होते हुए हरियाणा सीमा में प्रवेश करती है।

प्रश्न 52: राजस्थान में नदियों के अपवाह एवं आंतरिक नदियों की विशेषताओं के संबंध में

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन D असंगत (गलत) है। घग्गर नदी का उद्गम अरावली की खमनोर पहाड़ियों से नहीं होता, बल्कि यह हिमाचल प्रदेश में शिवालिक की पहाड़ियों (कालका के पास) से निकलती है। खमनोर की पहाड़ियों (राजसमंद) से बनास नदी का उद्गम होता है। घग्गर एक आंतरिक प्रवाह की नदी है जो समुद्र (बंगाल की खाड़ी) में नहीं गिरती, बल्कि हनुमानगढ़/श्रीगंगानगर के मैदानी भाग में ही विलीन हो जाती है।

प्रश्न 53: राजस्थान के पश्चिमी शुष्क अंचल में सूखा और जलवायु संवेदनशीलता से निपटने हेतु सबसे प्रभावी पारंपरिक जल संरक्षण विधि

सही उत्तर: B

व्याख्या: राजस्थान के पश्चिमी शुष्क पारिस्थितिक तंत्र में वर्षा जल का संचयन करने के लिए पारंपरिक प्रणालियों जैसे टांका, खड़ीन (पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा विकसित), नाडी और बावड़ियों का पुनरुद्धार सबसे टिकाऊ एवं प्रभावी अनुकूलन रणनीति है। कंक्रीट के विशाल बांध या अत्यधिक भू-जल दोहन से पारिस्थितिकी संतुलन बिगड़ता है और मृदा लवणीकरण बढ़ता है। पारंपरिक जल संचयन तकनीकों स्थानीय स्तर पर जल सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं।

प्रश्न 54: ट्रीवार्थ के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान के अधिकांश दक्षिणी एवं दक्षिणी-पूर्वी भाग का जलवायु संकेत

सही उत्तर: A

व्याख्या: ट्रीवार्थ (Trewartha) ने वी. कोपेन के वर्गीकरण में संशोधन करते हुए राजस्थान की जलवायु को चार भागों में विभाजित किया। इसमें CAw संकेत उष्णकटिबंधीय आर्द्र-शुष्क जलवायु प्रदेश (दक्षिणी राजस्थान जैसे

बांसवाड़ा, डूंगरपुर, झालावाड़) को निरूपित करता है। BSh अर्ध-शुष्क/स्टेपीडिश प्रदेश को, BWh शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश को तथा BSw/BSg मध्य-पूर्वी मैदानी भागों को दर्शाता है।

प्रश्न 55: राजस्थान के अपवाह तंत्र की भू-वैज्ञानिक उत्पत्ति एवं विशेषताओं से संबंधित कथनों में से

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन I और II सत्य हैं। चंबल नदी विंध्यन कगार और पठारी क्षेत्र में कटी-फटी घाटियों से बहती हुई अधारोपित (Superimposed) अपवाह का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। अरब सागरीय अपवाह तंत्र राज्य के कुल जल प्रवाह का लगभग 17% है। कथन III गलत है क्योंकि माही नदी कर्क रेखा को एक बार नहीं, बल्कि दो बार (उत्तर से दक्षिण तथा पुनः दक्षिण की ओर मुड़ते हुए) काटती है।

प्रश्न 56: कोपेन के जलवायु वर्गीकरण और राजस्थान के भौगोलिक अंचलों के संबंध में

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं। कोपेन ने BShw संकेत अर्ध-शुष्क अथवा स्टेपी जलवायु के लिए दिया है, जो अरावली के पश्चिम में (जालौर, पाली, नागौर, सीकर, झुंझुनू) स्थित है। यहाँ 20-40 सेमी. वर्षा होती है और स्टेपी वनस्पति पाई जाती है। हालाँकि, केवल वनस्पति और वर्षा होना BShw नामकरण की एकमात्र व्याख्या नहीं है, बल्कि कोपेन का वर्गीकरण मुख्य रूप से तापीय सूचकांकों पर भी आधारित है।

प्रश्न 57: राजस्थान की त्रिवेणी संगमों की स्थिति एवं नदियों के जुड़ाव के आधार पर

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवल निष्कर्ष I सही है। सवाई माधोपुर जिले के खंडार तहसील के पदरा गाँव (रामेश्वरम घाट) पर चंबल, बनास और सीप नदियाँ मिलकर प्रसिद्ध त्रिवेणी संगम बनाती हैं। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि यह संगम आंतरिक अपवाह की नदियों द्वारा नहीं, बल्कि बंगाल की खाड़ी अपवाह तंत्र की नदियाँ (चंबल और बनास) द्वारा निर्मित होता है। यहाँ प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा को मेला भरता है।

प्रश्न 58: थॉर्नथ्वेट के जलवायु वर्गीकरण संकेताक्षरों एवं राजस्थान के संबंधित जिलों का सही मिलान

सही उत्तर: B

व्याख्या: सी.डब्ल्यू. थॉर्नथ्वेट के वर्गीकरण के अनुसार: CA'w - उष्णकटिबंधीय आर्द्र-शुष्क प्रदेश (बांसवाड़ा, झालावाड़, डूंगरपुर)। DA'w - उष्ण-आर्द्र/अर्ध-शुष्क प्रदेश (जयपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर - राज्य का सबसे बड़ा जलवायु क्षेत्र)। DB'w - तापीय शुष्क/अर्ध-शुष्क प्रदेश (बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़)। EA'd - उष्णकटिबंधीय अत्यधिक शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश (जैसलमेर, बाड़मेर)।

प्रश्न 59: राजस्थान की नदियों एवं अपवाह तंत्र के संबंध में असंगत कथन

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन D असंगत (गलत) है। मेंथा (मेढ़ा) नदी का उद्गम अजमेर की नाग पहाड़ियों से नहीं, बल्कि जयपुर जिले की शाहपुरा (मनोहरपुर) पहाड़ियों से होता है। यह नदी नागौर जिले से बहती हुई सांभर झील में उत्तर दिशा से गिरती है, न कि कच्छ के रण में। (नाग पहाड़ियों से लूनी नदी निकलती है जो कच्छ के रण में गिरती है)। अन्य तीनों कथन (A, B, C) ऐतिहासिक एवं भौगोलिक दृष्टि से सत्य हैं।

प्रश्न 60: राजस्थान के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का आंतरिक अपवाह तंत्र के अंतर्गत आने वाला भाग

सही उत्तर: B

व्याख्या: राजस्थान का लगभग 60% अपवाह क्षेत्र आंतरिक अपवाह तंत्र (Inland Drainage System) के अंतर्गत आता है। राज्य की थार मरुस्थलीय संरचना, बालुका स्तूपों का विस्तार तथा वर्षा की कमी के कारण नदियाँ समुद्र तक नहीं पहुँच पातीं और मरुस्थल या झीलों में ही समाहित हो जाती हैं। घग्गर, कांतली, साबी, काकनेय, मंथा, रूपनगढ़ और रूपारेल इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

[DETAILED EXPLANATIONS SECTION]

प्रश्न 61: अरब सागर में जल गिराने वाली राजस्थान की प्रमुख नदियों (लूणी, माही, साबरमती एवं पश्चिमी बनास) के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन I और II सत्य हैं। लूनी नदी बालोतरा तक मीठी तथा उसके बाद खारी हो जाती है। माही नदी मध्य प्रदेश की अमझोरा (धार) से निकलकर कर्क रेखा को दो बार काटती है। कथन III असत्य है क्योंकि साबरमती नदी यद्यपि उदयपुर (राजस्थान) से निकलती है, परंतु इसका 80% से अधिक अपवाह क्षेत्र तथा मुख्य उपयोगिता गुजरात राज्य के अंतर्गत प्राप्त होती है। गुजरात का प्रसिद्ध अहमदाबाद शहर और गांधीनगर इसी नदी के तट पर स्थित हैं।

प्रश्न 62: चम्बल नदी तंत्र तथा उसके द्वारा निर्मित उत्खात भूमि एवं डेंग क्षेत्र की भौगोलिक विशेषताओं का मूल्यांकन

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन (A) और कारण (R) दोनों तथ्यात्मक रूप से सही हैं। चम्बल नदी में अत्यधिक अवनलिका अपरदन के कारण गहरे खड्डों और बीहड़ (Badland) का निर्माण हुआ है, जिसे स्थानीय भाषा में 'डांग क्षेत्र' (धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर) कहते हैं। चम्बल राजस्थान व मध्य प्रदेश के मध्य सीमा बनाती है और नित्यवाही है। हालाँकि, कारण (R) केवल नदी की भौतिक स्थिति बताता है, यह अपरदन की मुख्य भू-वैज्ञानिक व्याख्या नहीं प्रस्तुत करता।

प्रश्न 63: बनास एवं उसकी सहायक नदियों के अपवाह तथा ऐतिहासिक-भौगोलिक स्वरूप के संबंध में

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवल निष्कर्ष I सही है। बेड़च नदी गोगुंदा की पहाड़ियों से निकलकर आयड़ कहलाती है तथा उदयसागर झील के बाद इसे बेड़च कहा जाता है, जो बीगोद (भीलवाड़ा) में बनास से मिलती है। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि गम्भीरी नदी बनास की नहीं, बल्कि बेड़च की सहायक नदी है और यह चित्तौड़गढ़ दुर्ग के पास बेड़च में मिलती है, न कि जयसमंद झील में। बनास पूर्णतः राजस्थान में बहने वाली सबसे लंबी (512 किमी) नदी है।

प्रश्न 64: राजस्थान की प्रमुख झीलों और उनसे संबंधित जिलों तथा विशेषताओं की सूचियों का सही मिलान

सही उत्तर: B

व्याख्या: पंचपदरा झील (बालोतरा) में खारवाल जाति के लोग मोरली झाड़ी के उपयोग द्वारा 98% शुद्धता वाला नमक तैयार करते हैं। जयसमंद झील (सलूंबर/उदयपुर) मीठे पानी की सबसे बड़ी कृत्रिम झील है जिसे 'ढेबर झील' भी कहते हैं। नक्की झील (सिरोही) राजस्थान की सबसे ऊंची झील है जो सर्दियों में जम जाती है। डीडवाना झील (डीडवाना-कुचामन) में राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स द्वारा सोडियम सल्फेट का उत्पादन किया जाता है।

प्रश्न 65: राजस्थान की प्राकृतिक वनस्पति के विधिक/प्रशासनिक वर्गीकरण एवं भारत वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR) के आंकड़ों के संबंध में

सही उत्तर: C

व्याख्या: कथन C असंगत (गलत) है। भारत वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR) के अनुसार राजस्थान में कुल वनावरण (Forest Cover) मात्र 4.87% (लगभग 16,655 वर्ग किमी) ही है, न कि 10% से अधिक। यद्यपि राज्य का कुल रिकॉर्डेड वन क्षेत्र (Recorded Forest Area) लगभग 9.60% है, किंतु वास्तविक वनावरण 5% से भी कम है। प्रशासनिक दृष्टि से सुरक्षित वनों का क्षेत्रफल सर्वाधिक (लगभग 56%) है।

प्रश्न 66: राष्ट्रीय झील संरक्षण कार्यक्रम (NLCP) के तहत राजस्थान में शामिल झीलों का समूह

सही उत्तर: B

व्याख्या: भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय झील संरक्षण कार्यक्रम (NLCP) के तहत राजस्थान की 6 प्रमुख झीलों को शामिल किया गया है। ये झीलें हैं: आनासागर (अजमेर), पुष्कर (अजमेर), नक्की झील (माउंट आबू, सिरोही), पिछोला झील (उदयपुर), फ़तेहसागर झील (उदयपुर), और मानसागर झील (जयपुर)। इस योजना में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा 60:40 के अनुपात में वित्तीय अनुदान दिया जाता है।

प्रश्न 67: राजस्थान में 'कालीसिंध' नदी मध्य प्रदेश के देवास से निकलकर किस स्थान/जिले से प्रवेश करती है?

सही उत्तर: B

व्याख्या: कालीसिंध नदी मध्य प्रदेश के देवास जिले के बागली गाँव से निकलकर राजस्थान में झालावाड़ जिले के 'बिंदा गाँव' (मनोहर थाना/खानपुर क्षेत्र) से प्रवेश करती है। यह झालावाड़ और कोटा जिलों में बहती हुई नानेरा (कोटा) के पास चम्बल नदी में मिल जाती है। आहु इसकी मुख्य सहायक नदी है, जिसके संगम पर प्रसिद्ध गागरोन का जलदुर्ग स्थित है। चौरासीगढ़ से चम्बल तथा खांदू से माही नदी प्रवेश करती है।

प्रश्न 68: अरब सागरीय अपवाह तंत्र की नदियों और उनकी सहायक नदियों के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन I और II सत्य हैं। जोजरी नदी नागौर के पोंडलू गाँव से निकलकर लूनी में दाईं ओर से मिलने वाली एकमात्र गैर-अरावली सहायक नदी है। सोम (बीछामेड़ा) और जाखम (छोटी सादड़ी) नदियाँ माही में मिलकर बेणेश्वर (डूंगरपुर) में त्रिवेणी संगम बनाती हैं। कथन III असत्य है क्योंकि पश्चिमी बनास नदी नया संवारा (सिरोही) से निकलकर कच्छ के रण (Little Rann of Kutch) में विलीन होती है, न कि कच्छ की खाड़ी में।

प्रश्न 69: चम्बल नदी घाटी परियोजना एवं इस पर निर्मित बांधों की भौगोलिक अवस्थिति का मूल्यांकन

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं। चम्बल नदी पर निर्मित 4 प्रमुख बांधों में से 3 बांध—राणा प्रताप सागर (चित्तौड़गढ़), जवाहर सागर (कोटा) तथा कोटा बैराज (कोटा)—राजस्थान में स्थित हैं। केवल एक बांध, गांधी सागर बांध, मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित है। हालाँकि, कारण (R) केवल बांधों के नाम और स्थान बताता है, यह इस बात की व्याख्या नहीं करता कि राजस्थान में 3 बांध क्यों बनाए गए (जो कि मुख्य रूप से ढाल और जलविद्युत क्षमता हेतु बनाए गए)।

प्रश्न 70: बंगाल की खाड़ी अपवाह तंत्र की प्रसिद्ध नदी बाणगंगा के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवल निष्कर्ष। सही है। बाणगंगा नदी पर जयपुर के रामगढ़ में 'जमवा रामगढ़ बांध' बनाया गया था जो पूर्व में जयपुर शहर के लिए मुख्य पेयजल स्रोत था। निष्कर्ष II पूरी तरह असत्य है क्योंकि बाणगंगा नदी अब सीधे यमुना या गंगा में नहीं मिलती; अपवाह में कमी के कारण यह भरतपुर के मैदानों में ही विलुप्त हो जाती है, इसलिए इसे 'रुंडित सरिता' (Rundit River) कहा जाता है।

प्रश्न 71: राजस्थान की प्रमुख नदियों एवं उन पर निर्मित प्रसिद्ध बांधों की सूचियों का सही मिलान

सही उत्तर: B

व्याख्या: माही नदी पर बांसवाड़ा के बोरखेड़ा में 'माही बजाज सागर बांध' बना है। बनास नदी पर टोंक के देवली में प्रसिद्ध 'बीसलपुर बांध' स्थित है जो जयपुर, अजमेर व टोंक को पेयजल आपूर्ति करता है। बेड़च/गम्भीरी नदी तंत्र के पास 'अजान बांध' (भरतपुर) तथा कोठारी नदी पर भीलवाड़ा में 'मेजा बांध' निर्मित है। ये सभी बांध राजस्थान की प्रमुख सिंचाई व पेयजल परियोजनाओं का हिस्सा हैं।

प्रश्न 72: राजस्थान की खारे पानी की झीलों तथा उनके नमक उत्पादन उद्योग के संबंध में

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन D असंगत (गलत) है। डीडवाना झील के नमक में सोडियम सल्फेट की मात्रा अधिक तथा सोडियम क्लोराइड की मात्रा बहुत कम होती है, जिसके कारण यह नमक अखाद्य (खाने योग्य नहीं) होता है। इस नमक का उपयोग मुख्य रूप से चमड़ा उद्योग तथा कागज उद्योग में किया जाता है। डीडवाना में राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स द्वारा सोडियम सल्फेट व सोडियम सल्फाइड के कारखाने लगाए गए हैं।

प्रश्न 73: राजस्थान के प्रशासनिक वन वर्गीकरण में 'आरक्षित वन' की मुख्य विशेषता

सही उत्तर: B

व्याख्या: प्रशासनिक/विधिक वर्गीकरण के अनुसार 'आरक्षित वन' (Reserved Forests) वे वन होते हैं जो पूर्णतः सरकारी संरक्षण में रहते हैं। इन वनों में पर्यावरण संतुलन और वन्यजीव सुरक्षा हेतु लकड़ी काटना, वनों की कटाई करना तथा पशु चराना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित (Strictly Prohibited) होता है। राजस्थान में आरक्षित वनों का प्रतिशत लगभग 37% है, जबकि सुरक्षित/रक्षित वनों का प्रतिशत लगभग 56% है जहाँ सीमित अनुमतियाँ दी जाती हैं।

प्रश्न 74: राजस्थान की 'बाणगंगा' नदी का अन्य नाम

सही उत्तर: A

व्याख्या: बाणगंगा नदी को स्थानीय व भौगोलिक रूप से 'ताला नदी' तथा 'रुंडित सरिता' (Rundit River) कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महाभारत काल में अर्जुन ने अपने बाण से इस नदी की धारा निकाली थी, इसलिए इसे 'अर्जुन की गंगा' भी कहते हैं। मुख्य नदी में मिलने से पहले ही मैदानी भागों में विलीन हो जाने की विशेषता के कारण भू-वैज्ञानिक इसे रुंडित नदी की श्रेणी में रखते हैं।

प्रश्न 75: राजस्थान की प्राकृतिक वनस्पति तथा इसके विधिक वर्गीकरण से संबंधित कथनों में से

सही उत्तर: C

व्याख्या: कथन I और III सत्य हैं। राजस्थान के शुष्क व अर्ध-शुष्क वनों में सर्वाधिक विस्तार 'धौक' या 'धौकड़ा' (Anogeissus pendula) वृक्षों का है। FSI देहरादून प्रति दो वर्ष में ISFR जारी करता है। कथन II असत्य है क्योंकि अवर्गीकृत वनों (Unclassified Forests) में बिना किसी प्रतिबंध के पशु चराने और लकड़ी काटने की अनुमति तो होती है, परंतु इसके लिए सरकार द्वारा निर्धारित लाइसेंस या चुंगी/शुल्क लिया जा सकता है।

प्रश्न 76: राजस्थान में नक्की और पिछोला झीलों की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं के संबंध में

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं। नक्की झील सिरोंही के माउंट आबू में 1200 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित है और शीतकाल में जम जाती है। इसके निर्माण के संबंध में देवताओं के नाखूनों वाली जनश्रुति प्रसिद्ध है, जबकि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह एक विवर्तनिक/क्रेटर (Crater) झील है। हालाँकि, पौराणिक कथा होना नक्की झील के शीतकाल में जमने की वैज्ञानिक व्याख्या नहीं है, इसलिए B सही उत्तर है।

प्रश्न 77: कालीसिंध और आहु नदियों के संगम पर निर्मित ऐतिहासिक दुर्ग एवं जल निकायों के आधार पर

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवल निष्कर्ष I सही है। झालावाड़ जिले में कालीसिंध और आहु नदियों के संगम (सामेल) पर प्रसिद्ध गागरोन दुर्ग स्थित है, जो राजस्थान का सर्वोत्तम जलदुर्ग (औदक दुर्ग) है। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि गागरोन दुर्ग सांभर झील के खारे पानी से नहीं घिरा है, बल्कि यह मीठे पानी की नदियों कालीसिंध व आहु से घिरा हुआ है और यह गिरी दुर्ग नहीं बल्कि एक प्रसिद्ध जलदुर्ग है।

प्रश्न 78: भारत वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR) के अनुसार राजस्थान के सर्वाधिक वनावरण (क्षेत्रफल) वाले जिलों का सही अवरोही क्रम

सही उत्तर: B

व्याख्या: ISFR आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक वनावरण क्षेत्रफल वाला जिला उदयपुर (1st) है। इसके पश्चात् द्वितीय स्थान पर अलवर (2nd) तथा तृतीय स्थान पर प्रतापगढ़ (3rd) आता है। क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे कम वनावरण वाला जिला चूरू (4th) है। अतः सही मिलान a-2 (उदयपुर), b-1 (अलवर), c-4 (प्रतापगढ़), तथा d-3 (चूरू) है।

प्रश्न 79: राजस्थान के अपवाह तंत्र एवं नदियों के उद्गम स्थलों के संबंध में असंगत कथन

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन D असंगत (गलत) है। लूनी नदी का उद्गम बाड़मेर जिले की नाकोड़ा पहाड़ियों से नहीं होता, बल्कि यह अजमेर जिले में स्थित अरावली की 'नाग पहाड़ियों' (Nag Hills) से सागरमती के रूप में निकलती

है। गोविंदगढ़ में पुष्कर से आने वाली सरस्वती नदी के मिलने के बाद यह 'लूणी' कहलाती है। नाकोड़ा की पहाड़ियाँ बाड़मेर (बालोतरा) में स्थित हैं जहाँ नाकोड़ा भैरव मंदिर स्थित है।

प्रश्न 80: उदयपुर में स्थित 'पिछोला झील' का निर्माण किस माध्यम द्वारा करवाया गया था?

सही उत्तर: B

व्याख्या: उदयपुर की प्रसिद्ध मीठे पानी की 'पिछोला झील' का निर्माण 14वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में (महाराणा लाखा के शासनकाल में) लछीराम/पिच्छू नामक एक बंजारे (चिड़ीमार/छिपीमार) द्वारा अपने प्रिय बैल की स्मृति में करवाया गया था। बाद में महाराणा उदयसिंह ने उदयपुर शहर बसाते समय इस झील की पाल को पक्का करवाया। इसी झील के बीच में जग मंदिर एवं जग निवास (लेक पैलेस) महल बने हुए हैं।

[DETAILED EXPLANATIONS SECTION]

प्रश्न 81: राजस्थान के वनों के जलवायवीय एवं भौगोलिक वर्गीकरण के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन I और II सत्य हैं। शुष्क सागवान वन मुख्यतः 75-110 सेमी. वर्षा वाले दक्षिणी जिलों में पाए जाते हैं। उपोष्ण सदाबहार वन केवल माउंट आबू क्षेत्र में मिलते हैं जो कुल वनों का 0.39% भाग हैं। कथन III असत्य है क्योंकि धोकड़ा (Anogeissus pendula) वन मरुस्थल के रेतीले भागों में नहीं, बल्कि अरावली पर्वतीय एवं पूर्वी मैदानी/पठारी भागों (250 से 760 मी. ऊंचाई) में पाए जाते हैं। ये राज्य के कुल वनावरण के सर्वाधिक भाग (लगभग 50%) पर विस्तृत हैं।

प्रश्न 82: राजस्थान के वन्यजीव संरक्षण ढाँचे, राष्ट्रीय उद्यानों तथा टाइगर रिजर्व के संबंध में

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं। रामगढ़ विषधारी (बूंदी) को मई 2022 में भारत के 52वें तथा राजस्थान के चौथे टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित किया गया था। रणथंभौर (सवाई माधोपुर) राज्य का पहला राष्ट्रीय उद्यान (1980) और पहला टाइगर प्रोजेक्ट (1973-74) है। हालाँकि, कारण (R) रणथंभौर के इतिहास की जानकारी देता है, लेकिन यह इस बात की व्याख्या नहीं करता कि रामगढ़ विषधारी को चौथा टाइगर रिजर्व क्यों घोषित किया गया।

प्रश्न 83: राजस्थान की रामसर आर्द्रभूमि (Ramsar Wetlands) सूचियों तथा उनसे जुड़ी पारिस्थितिकी के संबंध में

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवल निष्कर्ष I सही है। केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को 1981 में रामसर स्थल घोषित किया गया था तथा इसे संकटग्रस्त आर्द्रभूमियों की मॉन्ट्रियॉक्स रिकॉर्ड (Montreux Record) सूची में रखा गया है। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि सांभर झील को वर्ष 1990 में (न कि 2015 में) रामसर आर्द्रभूमि घोषित किया गया था। सांभर यूनेस्को की प्राकृतिक विश्व धरोहर सूची में शामिल नहीं है; केवल केवलादेव ही 1985 से यूनेस्को प्राकृतिक धरोहर में शामिल है।

प्रश्न 84: राजस्थान में मृदा के सामान्य/पारंपरिक वर्गीकरण एवं संबंधित क्षेत्रीय वितरण का सही मिलान

सही उत्तर: B

व्याख्या: लाल-लोमी मृदा (Red-Loam) डूंगरपुर, बांसवाड़ा और उदयपुर में पाई जाती है जो मक्का उत्पादन के लिए श्रेष्ठ है। मध्यम काली मृदा हाड़ौती पठार (कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़) में पाई जाती है जो कपास और सोयाबीन हेतु उत्तम है। कछारी/जलोढ़ मृदा (Alluvial) पूर्वी मैदानों (जयपुर, अलवर, भरतपुर) में पाई जाती है। रेतीली मृदा पश्चिमी मरुस्थल (जैसलमेर, बीकानेर) में पाई जाती है।

प्रश्न 85: मृदा के आधुनिक एवं वैज्ञानिक वर्गीकरण के आधार पर असंगत कथन

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन D असंगत (गलत) है। इनसेप्सॉल्स (Inceptisols) मृदा अरावली पर्वतमाला के ढालों एवं मध्यवर्ती भागों (सिरोही, पाली, उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा) में पाई जाने वाली आंशिक विकसित मृदा है। यह अरावली में पूरी तरह विद्यमान है, न कि अनुपस्थित। बालुका स्तूपों के शीर्ष पर मुख्यतः एंटीसॉल्स एवं एरिडिसॉल्स मृदा पाई जाती है। अल्फ़िसॉल्स पूर्वी मैदानों की उपजाऊ जलोढ़ मृदा को निरूपित करती है।

प्रश्न 86: 'सेम' की समस्या एवं मृदा क्षारीयता के उपचार हेतु सर्वाधिक प्रभावकारी खनिज

सही उत्तर: B

व्याख्या: नहरी क्षेत्रों में जल-जमाव से उत्पन्न 'सेम' (SEM) समस्या के कारण मिट्टी में लवणता और क्षारीयता बढ़ जाती है। क्षारीय मृदा में सोडियम कार्बोनेट की मात्रा अधिक होती है। इसके रासायनिक उपचार हेतु जिप्सम (कैल्शियम सल्फेट) का प्रयोग किया जाता है। जिप्सम मिट्टी के सोडियम को हटाकर उसे कैल्शियम में बदल देता है, जिससे मिट्टी की संरचना में सुधार होता है और उसकी उर्वरता पुनर्स्थापित होती है। (अम्लीय मृदा हेतु चूना पत्थर प्रयुक्त होता है)।

प्रश्न 87: 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' (Soil Health Card Scheme) का शुभारंभ

सही उत्तर: A

व्याख्या: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 19 फरवरी 2015 को राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के 'सूरतगढ़' से 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' का राष्ट्रीय शुभारंभ किया गया था। इस योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी भूमि की मृदा में पोषक तत्वों की स्थिति की जानकारी देना तथा उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देना है। योजना की टैगलाइन "स्वस्थ धरा, खेत हरा" (Swasth Dhara, Khet Hara) रखी गई है।

प्रश्न 88: राजस्थान के वनों के प्रकारों एवं उनकी विशेषताओं के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन I और II सत्य हैं। मिश्रित पतझड़ वन दक्षिणी व दक्षिणी-पूर्वी जिलों में पाए जाते हैं जहाँ धौक, सालर और ढाक मुख्य हैं। कंटीले वन अर्ध-शुष्क मरुस्थल में मिलते हैं जहाँ खेजड़ी और रोहिड़ा पाए जाते हैं। कथन III असत्य है क्योंकि रोहिड़ा (Tecomella undulata) राजस्थान का राज्य पुष्प (State Flower) है जिसे 1983 में घोषित किया गया था, न कि राज्य पक्षी। (राजस्थान का राज्य पक्षी गोडावण है)।

प्रश्न 89: राजस्थान के कंजर्वेशन रिजर्व (संरक्षित क्षेत्र) एवं उनके प्रशासनिक जिलों के संबंध में

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं। बीसलपुर (टोंक - राज्य का पहला कंजर्वेशन रिजर्व) तथा जोहड़बीड़ गाढ़वाला (बीकानेर - गिद्ध संरक्षण हेतु) महत्वपूर्ण घोषित कंजर्वेशन रिजर्व हैं। वन्यजीव संरक्षण

अधिनियम, 1972 की धारा 36A के तहत राज्य सरकार सामुदायिक या सरकारी भूमि को कंजर्वेशन रिजर्व घोषित कर सकती है। कारण कानूनी प्रावधान स्पष्ट करता है, परंतु यह बीसलपुर/जोहड़बीड़ की विशिष्ट सूची की एकमात्र व्याख्या नहीं है।

प्रश्न 90: राजस्थान की मृदा अपरदन की समस्याओं (चादर अपरदन एवं अवनालिका अपरदन) के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवल निष्कर्ष। सही है। पहाड़ी ढालों पर वर्षा जल द्वारा मृदा की ऊपरी उपजाऊ परत का बह जाना चादर अपरदन (Sheet Erosion) कहलाता है, जो सिरोंही, उदयपुर और राजसमंद के अरावली ढालों पर व्यापक है। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि अवनालिका अपरदन (Gully Erosion) पवन द्वारा नहीं, बल्कि जल के तीव्र प्रवाह द्वारा चंबल और उसकी सहायक नदियों के बेसिन में गहरी खाइयों के निर्माण से होता है। (पवन द्वारा क्षरण वायु अपरदन कहलाता है)।

प्रश्न 91: राजस्थान के प्रमुख वन्यजीव अभ्यारण्यों एवं उनकी प्रसिद्ध पहचान/प्रजातियों की सूचियों का सही मिलान

सही उत्तर: B

व्याख्या: सीतामाता अभ्यारण्य (प्रतापगढ़) उड़न गिलहरी और चोसिंगा (घंटेला) के लिए प्रसिद्ध है। राष्ट्रीय मरु उद्यान (जैसलमेर-बाड़मेर) राज्य पक्षी गोडावण तथा आकल बुड फॉसिल पार्क के जीवाश्मों हेतु प्रसिद्ध है। तालछापर (चूरू) कृष्णमृग (Black Buck) और मोइया घास हेतु प्रसिद्ध है। रामगढ़ विषधारी (बूंदी) बाघों के प्राकृतिक कॉरिडोर और पाइथन हेतु जाना जाता है।

प्रश्न 92: राजस्थान में क्षारीय/ऊसर मृदा एवं इसके सुधार की वैज्ञानिक प्रविधियों के संदर्भ में असंगत कथन

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन D असंगत (गलत) है। राजस्थान के थार मरुस्थल की रेतीली/बलुई मृदा में नाइट्रोजन, कार्बनिक पदार्थ एवं ह्यूमस की भारी कमी (Deficiency) पाई जाती है, न कि प्रचुरता। इसी कारण यह मिट्टी बिना उर्वरक व जल के स्वतः अत्यधिक उपजाऊ नहीं होती। इसमें नाइट्रेट एवं फास्फेट लवण पाए जाते हैं। pH मान 8.5 से अधिक होना क्षारीयता का सूचक है तथा जिप्सम इसके उपचार में प्रयुक्त होता है।

प्रश्न 93: अवनालिका अपरदन से राजस्थान का सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र

सही उत्तर: B

व्याख्या: अवनालिका अपरदन (Gully Erosion) राजस्थान में बहते जल द्वारा होता है, जिससे मिट्टी काटकर गहरी खाइयां व खड्ड बन जाते हैं। इससे सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र दक्षिण-पूर्वी राजस्थान का चंबल बेसिन है, जिसके अंतर्गत कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, करौली तथा धौलपुर जिले शामिल हैं। इस क्षेत्र में लगभग 4.5 लाख हेक्टेयर भूमि बीहड़ (Badlands) में बदल चुकी है।

प्रश्न 94: राजस्थान का राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' (Prosopis cineraria) का वैज्ञानिक वन प्रकार

सही उत्तर: A

व्याख्या: खेजड़ी (Prosopis cineraria) राजस्थान के 'उष्णकटिबंधीय कंटीले वनों' (Tropical Thorn Forests) का मुख्य वृक्ष है। ये वन राजस्थान के शुष्क एवं अर्ध-शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्रों (जहाँ वार्षिक वर्षा 25 से

50 सेमी. के मध्य होती है) में पाए जाते हैं। खेजड़ी को 'मरुस्थल का कल्पवृक्ष' तथा राजस्थान का राज्य वृक्ष (31 अक्टूबर 1983 को घोषित) कहा जाता है। इसकी पत्तियाँ (लूम) पशुचारे तथा फल (सांगरी) सब्जी हेतु प्रयुक्त होते हैं।

प्रश्न 95: वैज्ञानिक वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान में 'एंटीसॉल्स' (Entisols) मृदा के संबंध में

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन I और II सत्य हैं। एंटीसॉल्स नवीनतम विकसित मृदा वर्ग (Soil Order) है जिसमें स्पष्ट रूप से संस्तर (Horizons) विकसित नहीं होते। यह पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी शुष्क जिलों (जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर) में पाई जाने वाली रेतीली मिट्टी का प्रतिनिधित्व करती है। कथन III असत्य है क्योंकि एंटीसॉल्स का रंग गहरा काला नहीं, बल्कि हल्का पीला-भूरा होता है और इसमें जल धारण क्षमता बहुत कम होती है (काली मिट्टी वर्टिसॉल्स कहलाती है)।

प्रश्न 96: मुकुंदरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व के भौगोलिक विस्तार और जैव-विविधता के संबंध में

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं। मुकुंदरा हिल्स को 9 जनवरी 2012 को राजस्थान का तीसरा राष्ट्रीय उद्यान तथा 9 अप्रैल 2013 को राज्य का तीसरा टाइगर रिजर्व अधिसूचित किया गया था। इसका भौगोलिक विस्तार कोटा, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ तथा बूंदी जिलों के संयुक्त क्षेत्रों में फैला हुआ है। हालाँकि, कारण (R) केवल इसकी प्रशासनिक सीमाएं बताता है, यह इसके राष्ट्रीय उद्यान या टाइगर रिजर्व घोषित होने का कानूनी कारण नहीं है।

प्रश्न 97: केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर) की पारिस्थितिकी एवं संरक्षण स्थिति के आधार पर

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवल निष्कर्ष I सही है। केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष 1985 में यूनेस्को द्वारा प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया गया था। यहाँ साइबेरिया से आने वाले 'साइबेरियन क्रेन' (सफेद सारस) शीतकाल में आते हैं। निष्कर्ष II पूरी तरह असत्य है क्योंकि केवलादेव राजस्थान का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान नहीं है (सबसे बड़ा राष्ट्रीय मरु उद्यान है)। केवलादेव मीठे पानी का आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र है, न कि खारे पानी का।

प्रश्न 98: मृदा के आधुनिक वैज्ञानिक वर्गीकरण (Orders) तथा उनके राजस्थान में वितरण क्षेत्रों की सूचियों का सही मिलान

सही उत्तर: B

व्याख्या: वर्टिसॉल्स (Vertisols) हाड़ौती पठार (कोटा, बूंदी, झालावाड़) की मध्यम काली मृदा है। अल्फिसॉल्स (Alfisols) जयपुर, दोसा, भरतपुर की उपजाऊ जलोढ़ मृदा है। एरिडिसॉल्स (Aridisols) चूरू, सीकर, नागौर की शुष्क रेतीली मृदा है। इनसेप्सिसॉल्स (Inceptisols) अरावली के पर्वतीय ढालों (सिरोही, उदयपुर, भीलवाड़ा) की आंशिक विकसित मृदा है।

प्रश्न 99: राजस्थान की मृदा समस्याओं एवं संरक्षण योजनाओं के संबंध में असंगत कथन

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन D असंगत (गलत) है। 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' 100% राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित नहीं है, बल्कि यह केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित (Centrally Sponsored Scheme) योजना है, जिसमें वित्तीय वर्ष 2015-16 से केंद्र और राज्य का वित्तीय अंशदान 60:40 के अनुपात में निर्धारित है। योजना की शुरुआत 19 फरवरी 2015 को सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) से हुई थी और इसकी टैगलाइन "स्वस्थ धरा, खेत हरा" है।

प्रश्न 100: राजस्थान में वर्ष 1983 में घोषित राज्य पुष्प जिसे 'डेजर्ट टीक' भी कहा जाता है

सही उत्तर: A

व्याख्या: रोहिड़ा (*Tecomella undulata*) को 31 अक्टूबर 1983 को राजस्थान का राज्य पुष्प (State Flower) घोषित किया गया था। इसे 'मरुशोभा', 'राजस्थान की मरुशोभा' तथा 'डेजर्ट टीक' (Desert Teak) के नाम से जाना जाता है। इसके सुंदर केसरिया और पीले रंग के फूल मार्च-अप्रैल माह में खिलते हैं। इसकी लकड़ी का उपयोग मुख्य रूप से नक्काशीदार फर्नीचर बनाने में किया जाता है तथा यह शुष्क जलवायु में पाया जाता है।

wincompete